जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 160
दिनांक 01.10.2019

अनुसंधान हेतु सरकार हर वित्तीय मदद देने तैयार–भनोत
कीटनाशकों के दुष्परिणाम चिन्ताजनक–सचिन सुभाष यादव
जनेकृविवि का गरिमामय 56वॉ स्थापना दिवस सोल्लास संपंन
पूर्व प्रभारी कुलपति डॉ. ए.एस. तिवारी को मिला लाइफटाईम अचीवमेंट अवार्ड
डॉ. अभिषेक शुक्ला को 50 हजार रूपये नगद के साथ बेस्ट टीचर अवार्ड तथा कु. साक्षी शर्मा को मिला बेस्ट स्टूडेंट अवार्ड

जबलपुर, 1 अक्टूबर। जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय का 56वॉ स्थापना दिवस आज पूर्ण उमंग, उल्लास और गारिमामय माहौल में मनाया गया। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री सचिन सुभाष यादव ने बतौर मुख्य अतिथि कहा कि जनेकृविवि की ख्याति देशभर में लगातार फैल रही है यह प्रदेश के लिये गौरव की बात है। यहां देश के 28 राज्यों के हजरों छात्र अध्यनरत् हैं। शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार के क्षेत्र में राष्ट्रीय पुरूस्कारों से विवि की झोली लबरेज है। लेकिन हमारे समक्ष आज बड़ी चुनौति खेती में प्रयुक्त किये जा रहे है कीटनाशकों के दुष्परिणाम की है जिससे किसान भी अछूता नहीं है जो केंसर जैसी घातक बिमारियों की चपेट में आ रहा है। इसलिये जैविक खेती को बढ़ावा देकर रासयानिक खाद के मिथक को तोडना नितांतावश्यक है। सिक्किम जेसे मप्र को जैविक प्रदेश बनाना होगा। किसानों को उपज का उचित मूल्य दिलाना, प्रसंस्करण और ट्रान्सपोर्टेशन की व्यवस्था देना हमारी प्राथमिकता है। साथ ही प्रदेश में स्थित 75 प्रतिशत लघु और सीमान्त किसानों को संगठित करने की जरूरत है। वहीं कृषि शिक्षा क्षेत्र की विसंगतियों को मिलजुल कर दूर करना होगा।

विशिष्ट अतिथि वित्त, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री श्री तरूण भनोत ने कहा जनेकृविवि का वैभवशाली इतिहास है, लेकिन बदलते मौसम ओर जलवायु के अनुरूप अनुसंधान का दायरा बढ़ायें ताकि किसानों को सूखे और बाढ़ जैसी विपरित परिस्थितियों में भी नुकसान ना हो। अनुसंधान हेतु सरकार का खजाना आपके साथ खड़ा है। अनुसंधान हेतु हम हर वित्तीय मदद देने तैयार हैं। साथ ही हमें उद्यानिकी फसलों में भी

क्रमशः 2 :

बहुत कार्य करना होगा। सामजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण, अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री लखन घनघोरिया ने कहा जनेकृविवि ने विखंडन के अनेक दंश सहे हैं भविष्य में ऐसा ना हो इस हेतु हमें सचेत रहना होगा। भाकृअप नईदिल्ली के सहा. महानिदेशक डॉ. एस.के. चौधरी ने विवि की उपलब्धियों पर बधाईयां दी और बताया कि छात्रों की फैलोशिप 15 हजार से बढ़ाकर 25 हजार कर दी गई है तथा अंतर्राष्ट्रीय फैलोशिप के द्वार भी खोल दिये गये हैं।

समारोह के अध्यक्ष कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने कहा जनेकृविवि ने 298 प्रजातियां विकसित की हैं और देश को प्रसिद्ध कैबिनेट मंत्री, कलेक्टर, कृषि वैज्ञानिक और उच्चस्तरीय छात्र दिये हैं। आज हम देश के 75 कृषि विश्वविद्यालयों में सर्वश्रेष्ठ हैं। विधायक श्री संजय यादव, श्री विनय सक्सेना, श्री अशोक रोहाणी व वेटनरी कुलपति डॉ. पी.डी. जुआल मंचासीन रहे।

इस गरिमामय समारोह के द्वितीय चरण में जनेकृविवि के पूर्व प्रभारी कुलपति डॉ. ए. एस. तिवारी को लाइफटाईम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं पूर्व छात्र एवं वर्तमान रीवा कलेक्टर श्री ओम प्रकाश श्रीवास्तव और सागर कलेक्टर श्रीमति प्रीति मैथिल नायक, भाकृअप अटारी के निदेशक डॉ. अनुपम मिश्रा व डॉ. पी.एस. चौरे यूएसए को जवाहर रत्न से नवाजा गया। आदिवासी उत्कृष्ट कृषक महिला सम्मान श्रीमति ललिता बारस्कर बैतुल, श्रीमति उजियारो बाई केवटिया डिंडौरी, श्रीमति श्रीमति द्रोपती सिंह गोंड शहडोल को तथा कृषक फैलो सम्मान श्री गुलाबराव खाड़े बैतुल, श्री कृष्णपाल सिंह लोधी नरसिंहपुर, डॉ. सुमन कुमार दास छतरपुर को दिया गया। जनेकृविवि के प्राध्यापक डॉ. अभिषेक शुक्ला को 50 हजार रूपये नगद के साथ बेस्ट टीचर अवार्ड तथा कु. साक्षी शर्मा को बेस्ट स्टूडेंट अवार्ड दिया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र पन्ना को उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रशस्ति पत्र दिया गया। जनेकृविवि को मिले देश के सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ आईसीएआर कृषि विश्वविद्यालय–2018 अवार्ड एवं विवि रैंकिंग 2018 कमेटी के सदस्यों को एवं कृषि प्रदर्शनी व छात्र पोस्टर प्रदर्शनी के विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। कार्यक्रम संचालन अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा एवं आभार प्रदर्शन कुलसचिव डॉ. एम.के. हरदहा ने किया। समारोह के पूर्व में कृषि मंत्री ने कृषि प्रदर्शनी एवं छात्रों की पोस्टर प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन किया।

–000–